राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन NATIONAL HEALTH MISSION
छत्तीसगढ़ शासन
State Health Resource Centre Chhattisgarh

मितानिन पाती

मितानिन की बातें-मितानिन की ख़बरें

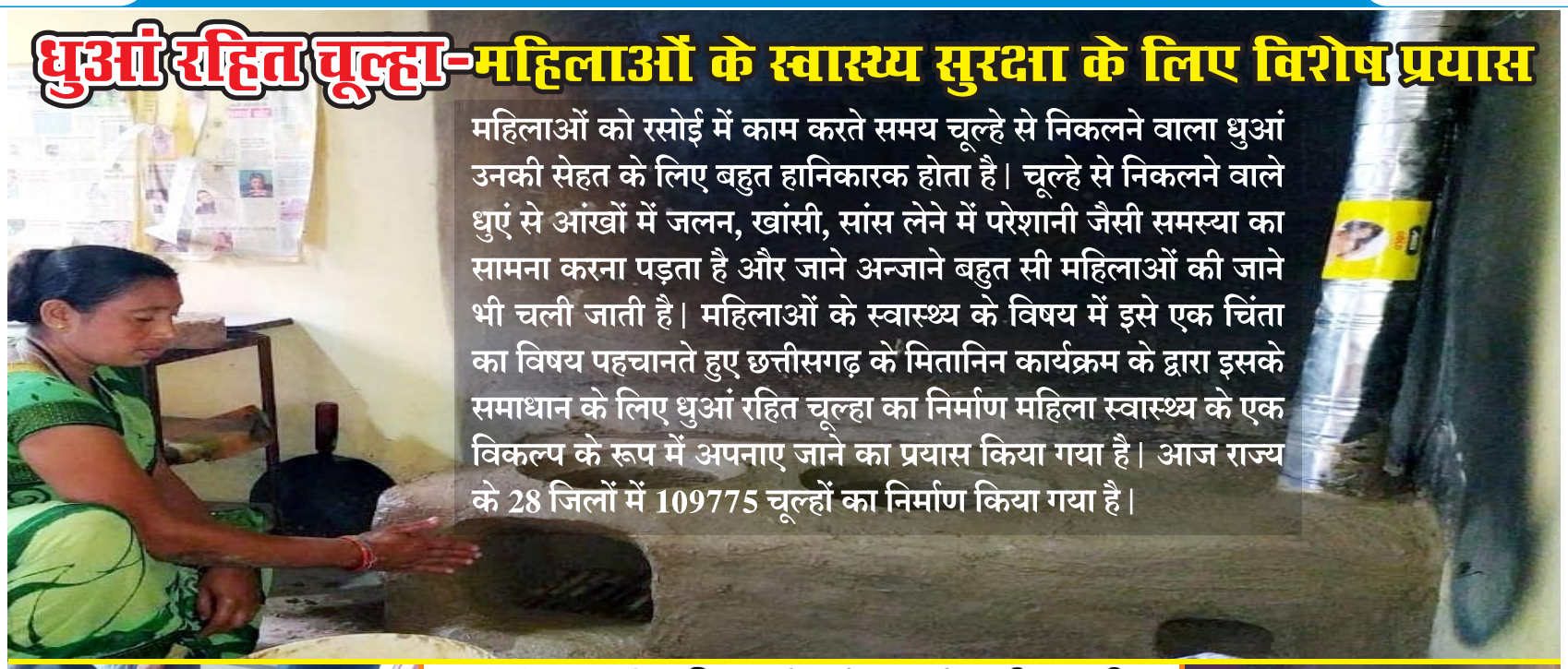

अंक-16 | परिकल्पना एवं निर्माण : राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, छत्तीसगढ़ | अक्टूबर-2021

धुआं रहित चूल्हा-महिलाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास

महिलाओं को रसोई में काम करते समय चूल्हे से निकलने वाला धुआं उनकी सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। चूल्हे से निकलने वाले धुएं से आंखों में जलन, खांसी, सांस लेने में परेशानी जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है और जाने अन्जाने बहुत सी महिलाओं की जाने भी चली जाती है। महिलाओं के स्वास्थ्य के विषय में इसे एक चिंता का विषय पहचानते हुए छत्तीसगढ़ के मितानिन कार्यक्रम के द्वारा इसके समाधान के लिए धुआं रहित चूल्हा का निर्माण महिला स्वास्थ्य के एक विकल्प के रूप में अपनाए जाने का प्रयास किया गया है। आज राज्य के 28 जिलों में 109775 चूल्हों का निर्माण किया गया है।

चूल्हे के धुएं से महिलाओं को बचाने नई तकनीक से चूल्हा बनाना सिखाया, कई फायदे भी बताए

भास्कर न्यूज़ | उदयपुर

मितानिन कार्यक्रम के तहत अब तक 4800 से अधिक घरों में प्रशिक्षण देने के बाद खाना पकाने को लेकर घरेलू महिलाओं को कई परेशानियों से छुटकारा मिला है। उदयपुर ब्लॉक में मितानिन विभाग में दो पंचायत स्वास्थ्य समन्वयक, तीन बीसी व बीस एमटी के साथ 90 गांव में 379 मितानिन कार्यरत हैं। सन 2012 में पंचायत स्वास्थ्य समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव की ओर से रायपुर से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सरगुजा जिले में सर्वप्रथम उदयपुर ब्लॉक में 5 अगस्त 2012 को रामनगर पंचायत के आश्रित ग्राम पुटानावापारा के मितानिन श्यामबाई के मोहल्ले में शुभारंभ किया गया। इस दौरान 32 से 35 महिलाएं मौजूद रहीं।

प्रशिक्षण के दौरान पंचायत स्वास्थ्य समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव ने बताया कि गांव की महिलाओं को खाना बनाने अब ब्लॉक के सभी घरों में चूल्हा बनवाया जाएगा। इसमें एक चूल्हे में दो तापदार बर्तन रखने द्वार होंगे और बगल में गैस निकलने पाइप लगाकर ऊपर निकाली जाएगी। इससे धुआं रहित गैस बाहर निकल जाएगी। चूल्हे में से एक ही स्थान पर गोबर के कंडे और कोयला या छोटे लकड़ी के टुकड़े कम मात्रा में उपयोग कर जलाकर दो पकवान बना सकते हैं। इससे महिलाओं को समय और परेशानी से छुटकारा मिल रहा है। इस मौके पर क्षेत्रीय समन्वयक अनुपम यादव, स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव, ब्लॉक समन्वयक सब्या पांडे, ब्लॉक समन्वयक रत्नों राजवाड़े, ब्लॉक समन्वयक हीरामणि दास, स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक मानकुवंर प्रजापति, मितानिन प्रशिक्षिका संतोषी विश्वकर्मा, मितानिन संतोषी कुर्रे, फुलमनी, सावित्री, संतोषी लकड़ा, रजमनिया, गीता, परमेश्वरी, अनीता उपस्थित थीं।

कोई अतिरिक्त खर्च भी नहीं

मितानिन पंचायत स्वास्थ्य समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव और मानकुंवर प्रजापति ने बताया कि इस चूल्हे को बनाने में कोई अतिरिक्त खर्च नहीं है। महज एक पाइप और चूल्हे की डिजाइन में कुछ बदलाव कर इसे बनाया जा रहा है। इस दौरान महिलाओं को भी धुआं रहित चूल्हा बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मितानिन बना रही है धुआं रहित चूल्हा

उदयपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

उदयपुर ब्लाक में मितानिनों ने धुआं रहित चूल्हा बनाने का प्रशिक्षण लिया है , इस चूल्हे से कम से कम लकड़ी में खाना बनाया जा सकता है। इसके साथ ही इस चूल्हे में खाना बनाने के समय धुआं नहीं निकलता है , इससे पर्यावरण भी दूषित नहीं होता है और घर भी गंदा नहीं होता है स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव ने महिलाओं को धुआं से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक नुकसान और इससे होने वाली बीमारियों की जानकारी दी इस चूल्हे से सांस संबंधी आंख संबंधी बीमारी नहीं होता गर्भवती शिशुवती एवं छोटे बच्चों को धुआं नहीं लगता। साथ ही लकड़ी की बचत होती है ,घर काला नहीं होता ,भोजन देर तक गर्म रहता है ,भोजन कम समय में पकता है। इस

चूल्हे को बनाने में कोई अतिरिक्त खर्च नहीं है महज एक पाइप और चूल्हे के डिजाइन में कुछ परिवर्तन कर इसे बनाया जा रहा है इस अवसर पर महिलाओं को भी धुआं रहित चूल्हा बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक उदयपुर ब्लाक में ४६८९ घरों में धुआं रहित चूल्हे का उपयोग हो रहा है। इस मौके पर क्षेत्रीय समन्वयक अनुपम यादव सरगुजा ,स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव ,ब्लॉक समन्वयक सव्या पांडे, ब्लॉक समन्वयक रत्नों राजवाड़े, ब्लॉक समन्वयक हीरामणि दास , स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक मानकुवंर प्रजापति, मितानिन प्रशिक्षिका संतोषी विश्वकर्मा, मितानिन संतोषी कुर्रे ,फुलमनी, सावित्री, संतोषी लकड़ा , रजमनिया, गीता, परमेश्वरी, अनीता उपस्थित थी।

धुआं रहित चूल्हा बनाने दिया प्रशिक्षण

नवभारत संवाददाता ❖ झलप.फरफौद
www.navbharat.org

चुल्हे में खाना बनाने के समय उड़ने वाले धुएं के दुष्परिणाम से बचने के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति द्वारा महिलाओं को मिट्टी के चुल्हा बनाने हेतु गांव-गांव जाकर प्रशिक्षण दे रहे हैं. स्वच्छता समिति समन्वयक श्रीमती हेमवती यादव ने बताया कि ग्राम क्षेत्रों में बनाए गए मिट्टी के चुल्हे में लकड़ी जलाने पर अधिक मात्रा में धुआं उड़ता है.जिससे गृहणियों को समस्याओं से जूझना पड़ता है. मिट्टी के चुल्हे में छड़ व तेल टीन का टीपा लगाकर बनाए गए चुल्हे

से धुआं रसोई कक्ष से बाहर निकल जाता है. जिससे गृहणियों सहित परिवारों को भी धुएं की समस्या से छुटकारा मिलता है. कार्यक्रम में मितानिन प्रशिक्षक श्रीमती रमा यादव, मितानिन श्रीमती खेमिन साहू, श्रीमती कुसुम साहू, श्रीमती डिगेश्वरी दीवान, श्रीमती धानबाई चौहान, श्रीमती धान बाई दीवान सहित मितानिन गण उपस्थित थे.

जन स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मितानिन के द्वारा किये गये प्रयास

मितानिन ने पुस्तक दिखाकर गर्भवती की देखभाल के बारे में परिवार वालों को समझाया (ग्राम पंचायत-बुंदेला, भुतहापारा, वि.खं.-पामगढ़, जिला-जांजगीर चांपा)

पारा की मितानिन परिवार भ्रमण के दौरान एक गर्भवती के घर गयी जो कि पलायन कर 8 वें माह में लौटी थी। मितानिन ने गर्भवती से पूछा कि उसने अभी तक जांच व टीका लगवाया है या नहीं। इसके पहले की गर्भवती कुछ बोलती उसकी सास ने बोल दिया कि हमने सब जांच करवा ली है तुम जाओ यहां से। मितानिन फिर दूसरे घरों में भ्रमण के लिए चली गयी। मितानिन जब परिवार भ्रमण कर लौट रही थी तो उसे वही गर्भवती पानी भरने जाते हुए मिली तो उसने मितानिन को बताया की उसकी कोई जांच नहीं हुयी है। उसके घर वाले जांच करवाने नहीं जाने देते। मितानिन ने उसे बोला की वह कल फिर से उसके घर आएगी। दूसरे दिन दो मितानिनें गर्भवती के घर गयी और पहले तो घरेलू बात की और उसके बाद गर्भवती की जांच संबंधी प्रशिक्षण पुस्तिका निकाल कर गर्भवती और उसके सास ससुर को पूरा समझाए। ससुर ने पूरी पुस्तक से समझने के बाद मितानिन को बोले कि एक दो दिन में जांच के लिए ले जाना। दूसरे दिन मितानिन गर्भवती को जांच के लिए लेकर गयी तो पता चला की उसका प्रसव इसी माह होगा। कुछ ही दिन बाद गर्भवती के घर वालों ने मितानिन को बुलवाया और उसे प्रसव के लिए ले जाने के लिए बोला। मितानिन ने गर्भवती का संस्थागत प्रसव करवाया। प्रसव के बाद मां और बेटी दोनों स्वस्थ है। उस दिन के बाद से गर्भवती के घर वाले कुछ भी समस्या होने पर मितानिन को बुलाते हैं।

दुलौरिन लहरे-मितानिन

मितानिन ने स्वयं को खतरे में रखकर गर्भवती का अस्पताल में प्रसव करवाया (ग्राम-नागिन झोरखा, विकासखंड-कटघोरा, जिला-कोरबा)

गांव के वार्ड क्रमांक 1 की 20 वर्षीय गर्भवती सावित्री कंवर को प्रसव पीड़ा शुरू हुआ तो उसके घर वाले पारा की मितानिन सन बाई महंत को बुलवाए। मितानिन सावित्री को सी.एच.सी. लेकर गयी। कोरोना बहुत बुरी तरह फैला हुआ था, गर्भवती और मितानिन दोनों ही बहुत डरे हुए थे। अस्पताल में प्रसव के पहले सावित्री का कोविड जांच किया गया जिसमें सावित्री कोरोना पाजिटीव निकली। सावित्री को ई.एस.आई.सी. अस्पताल में रेफर कर दिया गया। मितानिन सावित्री को कोरोना पाजिटीव के साथ रहने से उसे भी कोरोना होने का डर था परन्तु उसने सावित्री का साथ नहीं छोड़ा और उसके साथ अस्पताल में रही। सावित्री को कोरोना पाजिटीव होने के करण बहुत डर लग रहा था परन्तु मितानिन उसे समझाती रही और सावित्री ने ढाई किलो की बच्ची को जन्म दिया। 15 दिन में सावित्री और बच्ची दोनों स्वस्थ होकर घर लौट आए।

लीला पिल्लै-एस.पी.एस.

मितानिन ने कोरोना पीडितों से भेदभाव नहीं उसकी मदद करने की सलाह दी (ग्राम-चपेली, विकासखंड-चारामा, जिला-कांकेर)

गांव में एक परिवार के पिता और पुत्र की तबियत खराब हो गयी थी। मितानिन प्रशिक्षक उन्हें जांच के लिए अस्पताल जाने के लिए कहा परन्तु वे लोग जांच में कोरोना निकलेगा कहके नहीं जाना चाह रहे थे। मितानिन प्रशिक्षक ने उन्हें बहुत समझाया तब दोनों जांच के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुरूटोला गए। जांच में दोनों कोरोना पाजिटिव निकले। गांव में जैसे ही पता चला तो गांव में बैठक किया गया और उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे थे उनके घर को लकड़ी से घेर दिए थे। कोरोना मरीजों के घर वालों ने मितानिन प्रशिक्षक को फोन करके बताया उन्हें पानी और सब्जी के लिए भी घर से निकलने नहीं दे रहे हैं। मितानिन प्रशिक्षक उनके घर के पास आई और सरपंच को फोन करके बुलवाई। सरपंच आई तो एम.टी. ने उन्हें कोरोना पीड़ित परिवार के लिए पानी, सब्जी और राशन की व्यवस्था के लिए किसी को जिम्मेदारी देने के लिए कहा। सरपंच ने कह दिया की वह यह सब नहीं कर पाएगी। मितानिन ने तुरंत सचिव, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर और आर.एच.ओ. को फोन कर गांव में बुलवाई। थोड़ी ही देर में सब आ गए तब आर.एच.ओ. ने गांव वालों को समझाया की आप लोग अगर ऐसा भेदभाव करेंगे, अगर आपके साथ ऐसा होगा तो कौन मदद करेगा। हम लोगों को इनकी राशन, पानी और सब्जी की मदद करनी होगी। आर.एच. ओ. की बात सुनने के बाद पड़ोस में रहने वाले दो लोगों को राशन और सब्जी की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गयी और सरपंच ने पानी की व्यवस्था की। 17 दिन तक गांव के लोगों ने इस परिवार का सहयोग किया और अब वे लोग ठीक है।

कमलेश्वरी महावीर-एम.टी.

मितानिन के द्वारा दिए गए किट से कोरोना मरीज ठीक हुए (ग्राम-भनपुरी, विकासखंड-धमतरी, जिला-धमतरी)

मितानिन प्रशिक्षक के द्वारा मितानिनों को कोरोना किट का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद दूसरे दिन ही मितानिन श्यामलता के पारा में 6 कोरोना के मरीज मिले। मितानिन ने उनके घर जाकर उन्हें कोरोना किट दिया और उन्हें उपयोग करने का तरीका सीखाया। उसके साथ ही साथ भोजन, दवा, काढ़ा. योग और आराम के बारे में समझाया। मितानिन कोरोना मरीजों के घर नियमित उनका हालचाल जानने के लिए जाती रही। इसी दौरान मितानिन के पारा में 6 और मरीज निकले और पुराने 6 मरीज मितानिन के प्रयास से बिलकुल ठीक हो गए। मितानिन ने नए 6 मरीजों को कोरोना किट दिया और उन्हें भी सभी आवश्यक बाते समझाई। कोरोना काल में मितानिन के द्वारा निडरता से किये गये कार्यों की सभी बहुत सराहना कर रहे हैं।

यमुना साहू-मितानिन प्रशिक्षक, श्यामलता साहू-मितानिन

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति

समिति के सदस्यों ने राशन दुकान संचालक से लोगों को पूरा राशन दिलाया
ग्राम पंचायत-बरजोर, विकासखंड-कांसाबेल, जिला-जशपुर

गांव में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक के दौरान एम.टी. रंगमणि ने सदस्यों को जानकरी दी की गांव में 51 हितग्राहियों को राशन कम दिया गया है। किसी को 5 किलो तो किसी को 6 किलो तो किसी को 4 किलो कम चावल दिया गया है। बैठक के बाद सभी लोग अपने चावल को लेकर राशन दुकान गए और राशन दुकान संचालक से फिर से तौलने के लिए बोले। सभी का चावल वजन में कम निकला। समिति के सदस्यों ने खाद्य अधिकारी को फोन कर सूचना दी। दूसरे दिन खाद्य अधिकारी और सरपंच को बुलाया गया और समिति ने राशन दुकान संचालक से कम चावल दिए जाने का कारण पूछा तो उसने बताया की उसके घर में बेटी की तबियत ठीक नहीं थी तो उसके पिता राशन दे रहे थे इसलिए गलती हो गयी। समिति के सदस्यों ने उनसे 17 रुपये किलो शक्कर को 20 रुपये किलो दिए जाने के बारे में भी पूछा तो उसने बोला की अगले माह से उसे भी ठीक दाम से दूंगा और जो 3 रुपया ज्यादा लिया है उसे भी लौटा दूंगा। खाद्य अधिकारी ने दुकान वाले को बहुत फटकार लगायी और अगली बार गलती करने पर लाईसेंस रद्द करने की धमकी दी गयी। दुकान संचालक ने दूसरे माह से सबको बचा हुआ चावल दे दिया और शक्कर का पैसा भी लौटा दिया।

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति-बरजोर

समिति व मितानिन ने सेल्समेन की मनमानी को समाप्त कर लोगों को उनके अधिकार का चावल दिलाया
(ग्राम-सोरिद, विकासखंड-महासमुंद, जिला-महासमुंद)

ग्राम स्वास्थ्य समिति की बैठक में राशन दुकान पर चर्चा के दौरान लोगों ने अतिरिक्त चावल नहीं मिलने की समस्या के बारे में बताया। बैठक के दौरान ही सेल्समेन को फोन लगाया गया और पूछा गया की सभी को अतिरिक्त चावल क्यों नहीं दे रहे हैं। सेल्समेन ने बताया की जिनका नाम मेरे पास आया है उसी को दे रहा हूं। मितानिन ने फिर खाद्य विभाग में फोन किया और दो महिलाओं के राशन कार्ड के नाम से बात किये तो बताया की इन दोनों महिलाओं के नाम से अतिरिक्त चावल आया है सेल्समेन से जाकर ले लो। तुरंत एम.टी., मितानिन, समिति के सदस्यगण व गांव के अन्य हितग्राही राशन दुकान गए और सेल्समेन से हमारा अतिरिक्त चावल दो बोले तो सेल्समेन ने बोला कि 15 जून तक देना था आज 17 जून हो गया है और चावल देने से मना कर दिया। एम.टी. ने बोला की हम लोग और गांव के सभी हितग्राही खाद्य विभाग में आवेदन कर शिकायत करेंगे और सभी को खाद्य विभाग का फोन नंबर भी देंगे शिकायत करने के लिए कहकर सभी लोग लौट आए। राशन दुकान वाला डर गया और थोड़ी देर बाद अतिरिक्त चावल लेने वाले जितने भी हितग्राही राशन दुकान गये उसने सभी को राशन दिया और जितने चले गये थे उनको भी बुलवाकर उनके अधिकार का चावल दे दिया।

रूखमनी ध्रुव-एम.टी., ममता यादव-एस.पी.एस.

बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए कोरोना काल में नए आंगनबाड़ी की शुरुआत की गयी
ग्राम-कोयलारी, विकासखंड-सहसपुर लोहरा, जिला-कवर्धा

गांव में बच्चों में बढ़ते कुपोषण को देखते हुए मितानिन व मितानिन प्रशिक्षक के द्वारा पारा व समिति बैठक कर सरपंच को कोयलारी गांव में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1,2,3 को खोलने का आवेदन दिया। सरपंच के द्वारा आवेदन लेकर गांव के सभी पंचों की राय ली गयी। पंचों की राय लेने के बाद कोरोना काल में ग्राम सभा की बैठक नहीं होने के कारण गांव के सभी कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की गयी। सभी की सहमती के बाद सरपंच के द्वारा शासन के आदेश पत्र के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्र खुलवाने हेतु तुरंत महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी से फोन पर चर्चा की गयी तथा ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के अनुमोदन की प्रति लगाकर आंगनबाड़ी विभाग को सरपंच के द्वारा प्रस्तुत कर केंद्र खोलने की अनुमति ली गयी। 1 नवम्बर से ग्राम कोयलारी में तीनों आंगनबाड़ी केंद्र खुलने लगे और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका के द्वारा बच्चों का वजन, रेडी टू ईट का वितरण किया जाने लगा। इसके साथ ही साथ कोरोना को देखते हुए सहायिका बच्चों के लिए गर्म भोजन बनाने के बाद घर–घर जाकर बच्चों को लाती है एवं भोजन करवाने के बाद बारी–बारी से घर छोड़कर भी आती है। आंगनबाड़ी केंद्र खुलने के बाद से बच्चों के वजन में बहुत सुधार आया है।

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति-कोयलारी

मितानिन पाती
मितानिन की बातें-मितानिन की खबरें

मानसिक स्वास्थ्य

मानसिक रोगी का अगर इलाज करवाया जाए तो वह ठीक हो सकता है और एक खुशहाल जीवन जी सकता है। राज्य में मितानिन कार्यक्रम के द्वारा इसी सोच के आधार पर लोगों के संपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी जागरूकता, मरीज की पहचान और इलाज की दिशा में जून 2021 से कार्य किया जा रहा है। इस प्रयास के तहत अगस्त माह में 133802 गांव में लोगों में मानसिक रोग पर जागरूकता के लिए दिवाल लेखन किया गया एवं मितानिन एवं मितानिन प्रशिक्षकों के द्वारा 27 जिलों में 4899 मानसिक रोगियों की पहचान कर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया।

मानसिक रोगियों का इलाज संभव है

ग्राम-मुड़पार, विकासखंड-नरहरपुर, जिला-कांकेर

ग्राम मुड़पार की मितानिन मोतिम मंडावी परिवार भ्रमण करने पारा की एक परिवार में गई। घर में महिला को बांधकर रखा गया था। मितानिन ने उसकी मां से पूछा कि महिला को क्यों बांधकर कर रखे हो ? मां ने बताया कि इन्हें अगर बांध के नहीं रखेंगे तो वह अपना कपड़ा उतार देती है और कहीं भी चली जाती है और सामने कुआं भी है इसलिए डर लगता है। मितानिन ने उनके परिवार वालों को समझाया कि मरीज को इस तरह बांध कर नहीं रखना है। इनका इलाज जिला अस्पताल में हो सकता है। दूसरे दिन परिवार वाले उसे जिला अस्पताल लेकर गये। एक दिन वहां भर्ती रखकर इलाज किया गया। उसके बाद भिलाई में कुछ दिनों तक इलाज करवाएं फिर उनकी तबियत में सुधार आया। ठीक होने के बाद महिला को परिवार वाले घर ले आये। अभी वह ठीक है और काम पर जा रही है।

मोतिन मंडावी-मितानिन

मितानिन ने मानसिक रोगी की पहचान कर उनका इलाज करवाया

ग्राम पंचायत-कोना, विकासखंड-मुंगेली, जिला-मुंगेली

गांव का एक 24 वर्षीय युवक अपनी मां के मरने के बाद से अजीब सी हरकतें जैसे बड़बड़ाना, अपने आप को मारना, रास्ते में चलने वालों को पत्थर व डंडे से मारना, अचानक हंसना व रोना–गाना करने लगा था। युवक के घर वाले झाड़फुक करवाने बैगा के पास लेकर गए थे परन्तु वहा ठीक नहीं हुआ तो उसे बांध कर रखने लगे थे और बैगा के कहे अनुसार छड़ को गरम कर दागने लगे थे। मानसिक रोगी अभियान के तहत मितानिन फुलबाई यादव को उस युवक के बारे में पता चला तो वह समिति के सदस्यों से चर्चा की और उनके साथ उस परिवार से मिलने के लिए गयी। मितानिन ने युवक के परिवार वालों को समझाया कि यह एक बीमारी है और इसका इलाज जिला अस्पताल में निःशुल्क किया जाता है। मितानिन ने परिवार वालों को समझाया कि इसका इलाज झाड़फुक नहीं है बल्कि इसकी दवा नियमित खिलाते रहने से मरीज ठीक हो जाता है। युवक के परिवार वाले मितानिन की बात मानकर युवक का इलाज जिला अस्पताल में करवा रहे हैं। एक माह में युवक की स्थिति में काफी सुधार आया है, युवक अब पहले जैसी अजीब हरकतें नहीं कर रहा है।

चिकित्सक ने मानसिक रोगियों का किया इलाज

विकासखंड-अभनपुर, जिला-रायपुर

दिनांक 19/08/21 को ग्राम खट्टी की एम.टी. ने मानसिक रोगियों को जिला अस्पताल ले जाने के लिए 108 को फोन किया परन्तु किसी ने फोन नहीं उठाया तो मितानिन प्रशिक्षक ने ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के आर्थिक सहयोग से दो निजी वाहन कर तीन गांव से 11 मानसिक रोगियों को जिला अस्पताल लेकर गयी। जिला अस्पताल पहुंचने पर पता चला की डॉक्टर तो छुट्टी पर है और 24 तारीख को मिलेंगे। एम.टी. को बहुत निराशा हुई क्योंकि एक साथ इतने मानसिक रोगियों को संभालना थोड़ा कठिन होता है। एम.टी. ने अपनी बी.सी. शीलू साहू को फोन किया और जानकरी दी। बी.सी. ने जिला अस्पताल के डॉक्टर परिहार को फोन कर मरीजों के अस्पताल में होने की जानकरी दी। डॉक्टर परिहार मीटिंग में थे उन्होंने मीटिंग से छुट्टी ली और जिला अस्पताल मरीजों का इलाज करने आये। उन्होंने देखा कि मरीज बहुत समय से अस्पताल आये हुए हैं। चिकित्सक ने सभी मरीजों को पहले नाश्ता करवाया फिर वह एक–एक मरीज के साथ अच्छे से समय देकर काउंसलिंग की और सभी को दवा लिखकर दी। अभी सभी मरीज दवा खा रहे हैं और कुछ की तबियत में पहले से सुधार भी हुआ है।

तुलसी मेश्राम-एम.टी.

मानसिक स्वास्थ्य विषय पर दिया प्रशिक्षण

22 मानसिक रोगियों का किया इलाज

अंतागढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतागढ़ में कल मानसिक रोग से पीड़ित 22 रोगियों का कांकेर से आये डॉक्टरों के द्वारा इलाज किया गया। बता दें कि अंतागढ़ ब्लॉक से करीब 22 मानसिक रोगियों का इलाज कांकेर से आये डॉक्टरों के द्वारा अंतागढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया गया और एक माह का दवाई देकर साथ मे मानसिक रोगियों के परिवार के सदस्य का मोबाइल नंबर लेकर बीच बीच में रोगी के बारे में जानकारी देने और डॉक्टर की सलाह लेने कहा गया है। मितानिन और एम टी व बीसी के अथक प्रयास से ही यह संभव हो पाया है। मानसिक रोगियो के घर जाकर उनको प्रेरित किया गया जिससे उनके घर वाले मान गए और रोगी को साथ लेकर अंतागढ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां उनका इलाज किया गया और आर्थिक मदद भी विभाग के द्वारा किया गया। इस कार्य के लिए मितानिन ,एम टी , बीसी का बहुत बड़ा योगदान है जो सराहनीय है।

मानसिक स्वास्थ्य जांच में 23% मनोविकृति, 20% मानसिक विकार और 12% डिप्रेशन के मरीज मिले

समाज में लोगों को मानसिक रोगियों की मदद के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए न की उसकी इज्जत पर हाथ डालना चाहिए

ग्राम पंचायत-उलिया, विकासखंड-राजपुर, जिला-बलरामपुर

गांव की एक जवान लड़की 12वीं पास होने के बाद पढ़ाई का बहुत दबाव होने के कारण वह मानसिक रोगी हो गयी। इसी दौरान लड़की के साथ बलात्कार हो गया और वह गर्भवती हो गयी। इसके बाद उसका मानसिक सवास्थ्य और बिगड़ गया। लड़की के घर वाले किसी को पता न चले इसलिए लड़की को एक कमरे में बंद करके रखते थे और उसे खाना भी नहीं देते थे। मितानिन ने मानसिक रोग का प्रशिक्षण लेने के बाद मानसिक रोग पर गांव में सर्वे के दौरान उस लड़की के बारे में पता चला। मितानिन के द्वारा घर वालों को बहुत समझाने पर लड़की से मिलने दिया गया। मितानिन ने घर वालों को समझा कर लड़की को अपने साथ जांच के लिए जिला अस्पताल लेकर गयी। जिला अस्पताल अंबिकापुर में लड़की की जांच के बाद इलाज चालू हुआ। अभी वह लड़की समय पर नहाना खाना सब अपने से करती है।

हिरामुनी क्रांति-मितानिन

मितानिन और एम.टी. के प्रयास से तीन मानसिक रोगी महिलाएं स्वस्थ हुयी (ग्राम-लालमाटी, विकासखंड-लुन्ड्रा, जिला-सरगुजा)

मितानिन रामवती के गांव में तीन मानसिक रोगी थे। ये तीनों मरीज दिन भर घूमते रहते, गाली देते और किसी भी चीज से किसी को भी मारते रहते थे। मितानिन रामवती ने इन मरीजों के घर वालों को बहुत समझाया तो वे उन्हें जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजने के लिए तैयार हो गए। मितानिन और एम.टी. तीनों मरीजों को लेकर जिला अस्पताल गए और जांच करवाने के बाद दवा दिलवाए। मितानिन रामवती मरीजों के घर रोज दवा खाए हैं या नहीं यह देखने के लिए जाती रहती थी। धीरे–धीरे तीनों मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार आने लगा। तीनों में से एक मरीज तो रोपा लगाने के लिए खेत भी गयी और बाजार भी जाने लगी। दवा खतम होने पर घर में कोई सदस्य नहीं होने की स्थिति में मितानिन और एम.टी. ने अस्पताल से दवा लाकर मरीजों को दी। अभी तीनों मरीज ठीक है। मरीजों के घर वाले मितानिन और मितानिन प्रशिक्षक को बहुत धन्यवाद देते हैं।

मितानिन रामवती

तू बोलगी मुंह खोलेगी, तभी ज़माना बदलेगा

शराब बंदी के लिए महिलाएं कमर कस कर रही है प्रयास
ग्राम-धमलपुला, विकासखंड-कसडोल-जिला-बलौदाबाजार

गांव में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक में महिलाओं ने बताया की गांव में घर–घर में शराब के कारण महिलाओं के साथ हिंसा हो रही है। गांव में बड़ों के साथ ही साथ बच्चे भी शराब पीने लग गए हैं। मितानिन ने बताया कि गांव में एक पुरूष है जो शराब बनाता और बेचता है। मितानिन ने यह भी बताया कि वह व्यक्ति जेल भी जा चुका है परन्तु उसके बाद से और ज्यादा शराब बनाने और बेचने लगा है। समिति ने कार्ययोजना बनाई कि गांव में शराब बंदी के लिए रैली निकालेंगे और उस पुरूष के घर जाकर शराब को नष्ट कर देंगे। मितानिन और समिति के सदस्यों ने घर–घर जाकर महिलाओं को इकट्ठा किया और जिनके घर में शराब बनी थी उसे भी जप्त करते गए। इसके बाद रैली निकालकर उस पुरूष के घर गए और घेराबंदी कर दिए तो पता चला की वह घर से ढेड़ किलोमीटर दूर शराब बनाता था। और पत्थर के बीच झाड़ियों के पीछे 21 बोरी महुआ और शराब बनाने के लिए मिलाने वाली सामग्री बर्तनों में मिली। मितानिन ने गांव के सरपंच और पुलिस को भी बुलवाया। पुलिस ने महिलाओं की कार्यवाही को देखते हुए कहा की आप लोग ही इसे निपटाओ। महिलाओं ने उस पुरुष को समझाया की शराब की वजह से हमारे गांव के बड़े और बच्चे बर्बाद हो रहे हैं इसलिए अब से शराब नहीं बनाना। गांव वालों ने उस पुरुष से कुछ जुर्माना लिया और धमलपुरा के पास दो पंचायत के सरपंच को निगरानी रखने के लिए समझाया गया। गांव की महिलाएं सप्ताह में दो बार शराब बंदी के लिए पूरे गांव में चौकीदारी करती है।

भूरी बाई नेताम, रंजना सिदार-मितानिन

पत्नी के साथ मार-पीट करने वाले पति के खिलाफ मितानिन ने रिपोर्ट लिखाई और पत्नी के भोजन की व्यवस्था की
ग्राम-माटराखुज्जी, विकासखंड-छुरिया, जिला-राजनांदगांव

गांव में एक पुरूष नशे की हालत में अपनी 44 वर्षीय पत्नी को डंडे से पीट रहा था। मितानिन को जैसे ही पता चला वह भागते हुए आई और महिला को पति के मार से बचायी। मितानिन ने सभी मोहल्लेवासियों को डाट भी लगायी कि सभी लोग तमाशा देखने के लिए आ गए किसी ने महिला को बचाने की कोशिश नहीं की। महिला को बहुत चोट आ गयी थी तो मितानिन ने 108 और 112 में फोन किया। महिला को तुरंत जिला अस्पताल रेफर की और उसके पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। इनके परिवार में दो ही लोग रहते थे उनका बेटा बाहर काम करने गया हुआ था तो उसे बुलवाया गया। महिला बहुत गरीब थी रोज कमाती थी तो खाती थी। मितानिन ने ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के प्रत्येक सदस्यों से 100 रूपए इकट्ठा कर 3 हजार रूपये और 5 किलो चावल महिला को दिया। मितानिन और समिति के सहयोग से महिला ने जीवन जीने की हिम्मत पायी है।

सुनीता लाटिया-मितानिन

गर्भवती की पिटाई करने वाले पति को मितानिन ने समझाया (ग्राम-खुसरुपाली, विकासखंड-छूरा, जिला-गरियाबंद)

गांव की एक 9 माह की गर्भवती महिला को उसका पति शराब पीकर बहुत मारता था। मितानिन को जब पता चला तो वह पारा वालों को साथ में लेकर उसके घर गयी। मितानिन ने गर्भवती के पति को समझाया कि अगर तुम अपनी पत्नी के साथ मारपीट करोगे तो आने वाले बच्चे और मां दोनों को नुकसान हो सकता है और तुम्हारी पत्नी की शिकायत पर तुम्हें जेल भी हो सकती है। मितानिन और पारा वालों के समझाने के बाद गर्भवती के पति ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट करना बंद कर दिया। कुछ ही दिन में महिला ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। मितानिन बीच–बीच में उनके घर जाती रहती है जिससे उसे यह पता चलता रहता है की अब पति पत्नी अच्छे से रहते हैं।

धरमोतिन निषाद-मितानिन

घरेलू प्रताड़ना की शिकार वृद्ध महिला को मितानिन और समिति ने किया सहयोग
ग्राम-कंठीपाली, विकासखंड-बरमकेला, जिला-रायगढ़

गांव की एक 70 वर्षीय महिला को उसके बेटा–बहु के रहते हुए भी एक बेसहारा का जीवन जीना पड़ रहा था। वृद्धा को उसके बेटा बहु ने घर से निकाल दिया था तो वह कहीं दूसरे के घर रहती थी और भीख मांगकर गुजारा करती थी। गांव की मितानिन जब पारा भ्रमण करने गयी तो वृद्ध महिला ने मितानिन को बताया की उसके बेटा बहु ने उसके साथ झगड़ा कर उसे घर से निकाल दिया है और उसे खाने के लिए भी कोई सहयोग नहीं करते हैं। मितानिन ने पारा बैठक की और वृद्धा के बेटा बहु को बुलवाए परन्तु वे नहीं आये। मितानिन ने अपनी एम.टी. को वृद्ध महिला के बारे में बताया और ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक रखी। बैठक में वृद्ध महिला ने गांव के सरपंच, पंच और सचिव के सामने अपनी आप बीती सुनाई। समिति ने वृद्ध महिला की स्थिति को देखते हुए अन्टाईड फंड से कुछ राशि, चावल, दाल और सब्जी की सहायता करेंगे बोले एवं सरपंच के द्वारा वृद्धा के लिए पंचायत की ओर से रहने की व्यवस्था करवाने की बात कही गयी। समिति और पंचायत के द्वारा सहायता प्राप्त कर वृद्धा बहुत खुश और सभी की आभारी हुयी।

मितानिन-रीना भोय

कोरोना का टीका लगवाने मितानिनों के द्वारा किये गये प्रयास

कोरोना का टीका लगवा पाने में असमर्थ दिव्यांग को मितानिन के प्रयास से टीका लगा
ग्राम पंचायत-चंगेरी, विकासखंड-मरवाही, जिला-गौरेल्ला पेंड्रा

गांव में एक दोनों पैरो से दिव्यांग विरासिया बैगा रहती है जिसे चल के नहीं जा सकने के कारण कोरोना का टीका नहीं लग पा रहा था। विरासिया का घर भी गांव से दूर नदी के ऊपर पहाड़ में होने की वजह से कोई उसे टीका लगवाने नहीं ले जा पा रहा था। मितानिन बेला, गंगा बाई और मितानिन प्रशिक्षक घर–घर जाकर टीका लगवाने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे थे तब वे विरासिया से भी मिलने के लिए गए। विरासिया ने बोला की वह टीका लगवाना चाहती है परन्तु वह इतनी दूर नहीं जा सकती। मितानिन ने विरासिया की समस्या को देखते हुए सरपंच से गाड़ी करने के लिए बोली परन्तु सरपंच ने भी मदद नहीं की। मितानिन ने फिर ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति से मदद मांगी। समिति ने विरासिया को ऑटो से टीका लगवाने ले जाने के लिए 300 रूपए दिए। मितानिन विरासिया को अपने साथ मरवाही सी.एच.सी. ले गयी और उसे कोरोना से बचाव का टीका लगवाई।

शशि कैवर्त

किशोरियों में कोरोना टीका को लेकर गलत सोच को मितानिन ने सुधारा
ग्राम-खखानी, विकासखंड-बरमकेला,जिला-रायगढ़

गांव में 18–44 आयुवर्ग को टीका लगवाने के लिए मितानिनों के द्वारा जानकरी दी जा रही थी परन्तु कोई भी किशोरी टीका नहीं लगवान चाहते थे। मितानिन और एम.टी. ने पारा बैठक की जिसमें पारा के लोगों ने बताया कि हमने सुना है किशोरी को टीका लगने से वे गर्भवती नहीं होगी और माहवारी में भी समस्या होती है। पारा वालों की बातें सुनकर मितानिन ने सबको समझाया कि अब तक जिनको भी टीका लगा है उनको किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो रही है और टीका लगवाने से ज्यादा से ज्यादा बुखार आता है जो की एक पैरासिटामाल की गोली खाने से ठीक भी हो जाता है। मितानिन के समझाने पर पारा वाले अपने घर के 18 साल की किशोरियों को टीका लगवाने के लिए तैयार हो गए और दूसरे दिन ही मितानिन के साथ अपनी बेटियों को भेज टीका लगवा लिए।

पुष्पा, सब्या-मितानिन, तारिणी-मितानिन प्रशिक्षक

मितानिनों के द्वारा समझाने पर लोगों ने कोरोना टीका लगवाया (ग्राम-केंदुमुड़ी, पंचायत-नुनपानी, वि.खं.-सरायपाली, जिला-महासमुंद)

शासन के द्वारा जब कोविड का टीका लगवाना चालू किया गया तो गांव के लोग टीका नहीं लगवाना चाहते थे। उनके मन में भ्रम पैदा हो गया था की टीका लगाने से बुखार आ रहा है, मृत्यु हो रही है और बांझपन भी हो रहा है। मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सरपंच के समझाने पर भी नहीं मान रहे थे। एक दिन गांव के पटवारी, तहसीलदार, सरपंच ने गांव में बैठक कर लोगों को समझाया की टीका लगवाने से कोरोना बीमारी से बच सकते हैं। मितानिन ने पंचायत और अधिकारियों की बात सुनकर सभी लोग कोरोना का टीका लगवाने के लिए मान गए और सरपंच के द्वारा 18 से 44 वर्ष के कुल 300 सदस्यों के जाने के लिए गाड़ी की व्यवस्था की गयी। गांव में 100 प्रतिशत टीका हो चुका है और सभी लोग स्वस्थ हैं।

लोचना सोना

मितानिन ने बी.पी. शुगर के मरीजों को समझाकर कोरोना का टीका लगवाया
ग्राम-बोदा (खाम्हारपारा), विकासखंड-बतौली, जिला-सरगुजा

पारा की मितानिन शर्मीला अपने पारा में कोरोना का टीका के बारे में जानकारी देने के लिए परिवार भ्रमण कर रही थी। परिवार भ्रमण के दौरान शर्मीला 60 वर्षीय बुजुर्ग मयाराम से मिली जो की बी.पी. और शुगर का मरीज भी है। मितानिन ने मयाराम को बताया की हमारे गांव में कोरोना का टीका लगेगा तो आप आधार कार्ड और फोन नम्बर लेकर आ जाना। मयाराम ने मितानिन की बात सुनकर बोला की मुझे तो बी.पी. और शुगर है और मैंने तो सुना है कि बी.पी. शुगर जिसे है उसे कोरोना का टीका नहीं लगेगा। मितानिन ने मयाराम को समझाया कि बुजुर्ग लोगों को कोरोना होने का ज्यादा खतरा है और जिन्हें बी.पी. शुगर है उन्हें तो और ज्यादा सुरक्षा की आवश्यकता है इसलिए सरकार 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को पहले कोरोना का टीका लगवा कर सुरक्षित रखना चाहती है। मयाराम ने मितानिन की बात सुनकर पूछा कि कोरोना का टीका लगवाने से कुछ होगा तो नहीं। मितानिन ने मयाराम को बताया कि टीका के बाद बुखार आ सकता है परन्तु घबराने की कोई बात नहीं है पैरासिटामाल खाने से बुखार उतर जाता है और आपके शरीर में बीमारी से लड़ने की ताकत आ जाती है। मायाराम मितानिन की बात सुनकर टीका लगवाने के लिए तैयार हो गया और उसे उप स्वास्थ्य केंद्र में पहला टीका लग गया। मायाराम की तरह मितानिन ने गांव के बी.पी. और शुगर के तीन और बुजुर्गों एवं 60 वर्ष की उम्र के लोगों को कोरोना टीका के बारे में पूरी जानकारी देकर टीका लगवाया।

शर्मीला तिर्की-मितानिन

महिला हिंसा रोको अभियान

महिलाओं के लिए समानता, बराबरी व हिंसामुक्त समाज बनाने के लिए मितानिन कार्यक्रम के द्वारा पूरे राज्य में महिला हिंसा रोको अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत मितानिनों, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्यों के द्वारा गांव में नारा लेखन, दीवाल लेखन, नुक्कड़ नाटक, रैली, पारा बैठक, परिवार परामर्श का प्रयास कर महिलाओं को न्याय और सम्मान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। महिला हिंसा रोको अभियान के तहत अगस्त 2021 में 27 जिलों में हिंसा पीड़ित 4142 महिलाओं की मदद की गयी, 14913 गांव में रैली निकाली, 28233 गांव में दीवाल लेखन, 8395 गांव में नुक्कड़ नाटक कर लोगों को महिला हिंसा के मुद्दे पर जागरूक करने का प्रयास किया गया।

समिति के साथ मिलकर मितानिनों ने चलाया महिला हिंसा रोको अभियान

भास्कर न्यूज़ | देवरीबंगला

राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र के निर्देश पर मितानिन कार्यक्रम के कार्यकर्ताओं ने ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के साथ मिलकर महिला हिंसा रोको अभियान चला रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को घरेलू हिंसा, मारपीट, प्रताड़ना से बचाने के लिए जागरूकता किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत ग्राम में रैली, नाटक, नारा लेखन व गोष्ठी की जा रही है। जिसमें विधि विशेषज्ञ, वकील तथा पुलिस प्रशासन भी सहयोग कर रहे हैं। स्वस्थ पंचायत समन्वयक अनीता रामटेके ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति लगातार हिंसा बढ़ती जा रही है। बात-बात पर उनसे दुर्व्यवहार किया जाता है। महिलाएं डर के कारण अपने ऊपर हुई हिंसा को बता नहीं पाती। इसके लिए ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति मदद करेगी। ग्राम सुरेगांव, भेड़ी(सु), परसाडीह(सु), बुंदेली, मांगचुआ, उरेटा, कोबा, सेमरडीह, भुरकाभाट, बिजौरा, बनगाव, सिरपुर, करियागोंदी, फुलसुंदरी, राणाखुजी, सहित 80 से अधिक गांवों में महिला हिंसा पर जागरूकता रैली निकाली गई। अभियान में ब्लॉक समन्वयक शोभा शर्मा, चंद्रप्रभा सुधाकर, स्वस्थ पंचायत समन्वयक नैन साहू, मितानिन प्रशिक्षक सुशीला साहू, केशव शर्मा, सीमा यादव, ममता साहू, परवीन बेगम, दीपमाला श्रीवास्तव, खेमिन झारिया सहयोग कर रहे हैं।

महिला हिंसा रोको अभियान
ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति एवं मितानिन सुरेगांव

देवरीबंगला. गांव में निकाली रैली, ग्रामीणों को किया जागरूक।

मितानिन कर रहे प्रयास महिलाओं को जागरुक करने, निकाल रहे रैलिय

कोण्डागांव, 23 जुलाई (देशबन्धु)। मितानिनों द्वारा महिला महिलाओं को महिलाओं के साथ होने वाली हिंसाओं-अत्याचार के प्रति रैलीयां निकालकर जागरुक करने का प्रयास कर रहे होने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में महिलाओं के साथ बढ़ रहे अपराध, हिंसा एवं अत्याचारों को देखते हुए स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाएं देने हेतु गांव-गांव में नियुक्त मितानिनों के द्वारा ग्रामीणजनों को उल्टी, दस्त, सर्दी-खांसी आदि जैसी मौसमी बिमारियों, मलेरिया, कोरोना कोविड 19 जैसी बिमारियों से बचाव के उपाय और बिमार पड़ जाने पर उपचार हेतु तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचने की समझाईष तो दी ही जाती है। लेकिन वहीं अब महिलाओं, बच्चियों, युवतियों को उनके साथ होने वाले अत्याचार, हिंसा, लैंगिक उत्पीड़न आदि के प्रति जागरुक करने का प्रयास भी मितानिनों द्वारा किया जाता नजर आने लगा है। ऐसा ही कुछ 23 जुलाई 2021 को जिला व तहसील कोण्डागांव के अंतर्गत आने वाले और जिला मुख्यालय से रा.रा.30 पर 10 किमी दूर स्थित ग्राम बनियागांव में ग्राम बनियागांव की उर्मिला, बुधमनी, सुमित्रा, शकुंतला, नीलबती आदि मितानिनों ने एमटी लता साहू के नेतृत्व में बच्चियों, युवतियों व महिलाओं के साथ होने वाली विभिन्न तरह के अत्याचार, हिंसाओं, लैंगिक उत्पीड़न के प्रति महिलाओ में जागरुकता लाने हेतु रैली निकाली गई। इन मितानिनों ने ग्राम बनियागांव के सभी पारा-मोहल्लाओं में महिला-पुरुशों, युवक, युवतियों तथा बच्चो के साथ मिलकर रैलियां निकाली तथा बच्चियों, युवतियों व महिलाओ को जागरुक करने का प्रयास किया इस दौरान ग्रामीणजनों को उल्टी, दस्त, सर्दी-खांसी, बुखार आदि जैसी मौसमी बिमारियों, मलेरिया, कोरोना कोविड 19 जैसी बिमारियों से बचाव के उपाय औ बिमार पड़ जाने पर उपचार हेतु तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचने की समझाईष भी दी गई, मलेरिया से बचने हेतु अपने-अपने गांव पारा में सभी को मच्छरदानी लगाकर सोने, घरों के आसपास बने गड्ढों में पानी जमा न होने देने, यदि गड्ढों से पानी निकालना या पाटना सम्भव न हो तो जमा पानी में मिट्टी का तेल डालने की सलाह दिया गया। उक्त अभियान राज्य षासन के आदेषानुसार महिला हिंसा रोको अभियान के तहत जाग गई भई, नारी शक्ति जाग गई, औरतो ने ठाना है, हिंसा मुक्त जीवन पाना है, नारा को लेकर डीसी दिलीप दीवान के दिषानिर्देष पर बीसी हरमुनि सोरी, पी.एम.दुर्गा मार्गदर्शन एवं एसपीएस पीलाराम पांडे, फूलवती नेताम के सहयोग से सफलतापूर्वक गांव-गांव में किया जा रहा है।

महिलाओं के साथ होने वाली हिंसाओं के प्रति

शैलेष शुक्ला

रैलियां निकालकर मितानिन कर रहे महिलाओं को जागरूक करने का प्रयास

महिला हिंसा रोको अभियान
जाग गई भई, नारी शक्ति जाग गई...
औरतों ने अब ठाना है,
हिंसा मुक्त जीवन पाना है।
ग्राम पंचायत-

कोण्डागांव, 28 जुलाई (देशबन्धु)। महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा, अत्याचार के प्रति महिलाओं को जागरुक करने का प्रयास करने हेतु मितानिनों द्वारा रैलीयां निकाले जाने का क्रम निरंतर जारी है, उक्त सम्बन्ध में जानकारी देते हुए मितानिन प्रषिक्षक लता साहू ने जानकारी दिया है कि राज्य षासन के आदेषानुसार महिला हिंसा रोको अभियान के तहत जाग गई भई, नारी शक्ति जाग गई, औरतों ने ठाना है, हिंसा मुक्त जीवन पाना है, नारा को लेकर डीसी दिलीप दीवान के दिषानिर्देष पर बीसी हरमुनि सोरी, पी.एम.दुर्गा के मार्गदर्षन एवं एसपीएस पीलाराम पांडे, फूलवती नेताम के सहयोग से गांव-गांव में सफलतापूर्वक रैलियां निकालकर बच्चियों, युवतियों व महिलाओं के साथ बढ़ रहे अपराध, हिंसा एवं अत्याचारों को देखते हुए, स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाएं देने हेतु गांव-गांव में नियुक्त मितानिनों के द्वारा महिलाओं को जागरुक करने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला हिंसा रोको अभियान के तहत

पूर्व में मितानिनों के द्वारा ग्रामीणजनों को स्वास्थ्य सम्बन्धी यानि उल्टी, दस्त, सर्दी-खांसी आदि जैसी मौसमी तथा मलेरिया, कोरोना कोविड 19 जैसी बिमारियों से बचाव के उपाय और बिमार पड़ जाने पर उपचार हेतु तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचने की समझाईष दी जाती थी, लेकिन वहीं अब महिलाओं, बच्चियों, युवतियों को उनके साथ होने वाले अत्याचार, हिंसा, लैंगिक उत्पीड़न आदि के प्रति भी जागरुक करने का प्रयास मितानिनों द्वारा किया जाने लगा है। इसी क्रम में विगत दिनों जिला व तहसील कोण्डागांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुसमा में ग्राम कुसमा की राजकुमारी विश्वकर्मा, लक्ष्मी कुर्रे, देवकी दीवान, वीना, सावती, बुधमनी, मलिका आदि मितानिनों ने एमटी लता साहू के नेतृत्व में एवं उप सरपंच जगेंद्र मार्कंडेय सहित समिति के अन्य सदस्यों के सहयोग से बच्चियों, युवतियों व महिलाओं के साथ होने वाली विभिन्न तरह के अत्याचार, हिंसाओं, लैंगिक उत्पीड़न के प्रति महिलाओं में जागरुकता लाने हेतु रैली निकाली गई। मितानिनों के द्वारा निकाली गई यह रैली कुसमा के सभी पारा-मोहल्लाओं में महिला-पुरुशों, युवक, युवतियों तथा बच्चों के साथ मिलकर निकाली गई तथा बच्चियों, युवतियों व महिलाओं को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस दौरान ग्रामीणजनों को उल्टी, दस्त, सर्दी-खांसी, बुखार आदि जैसी मौसमी बिमारियों के साथ-साथ मलेरिया, कोरोना कोविड 19 जैसी बिमारियों से बचाव के उपाय और बिमार पड़ जाने पर उपचार हेतु तत्काल नजदीकी उप स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में पहुंचने की समझाईष भी दी गई। मलेरिया से बचने हेतु अपने-अपने गांव पारा में सभी को मच्छरदानी लगाकर सोने, घरों के आसपास बने गड्ढों में पानी जमा न होने देने, यदि गड्ढों से पानी निकालना या पाटना सम्भव न हो तो जमा पानी में मिट्टी का तेल डालने की सलाह दिया गया।

बढ़ते अपराधों को नियंत्रित करने मितानिनों ने निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैकुंठपुर

महिलाओं पर बढ़ते अपराध को लेकर मितानिन एकजुट होकर सड़क पर उतरी और महिलाओं को जागरूक करने अभियान चलाया है। महिला हिंसा रोको अभियान के तहत 21 जुलाई को ग्राम पंचायत रटंगा में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति के द्वारा मितानिनों द्वारा आंदोलन करते हुए आए दिन बढ़ते हुए अपराधों एवं महिला हिंसा के खिलाफ मोर्चा खोला और लोगों को रैली के माध्यम से हिदायत दी गई, अब महिलाओं पर होने वाले अत्याचार, शोषण, घरेलू हिंसा, मारपीट को नहीं बर्दास्त करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मितानिन प्रोग्राम स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक प्रतिमा राजवाड़े एवं कार्यक्रम में उपस्थित जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सौभाग्यवती सिंह कुसरो, सरपंच रटंगा परमेश्वरी सिंह, जगतपुर सरपंच हेमपुस्पा सिंह एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुक्तिदानी केरकेट्टा, मितानिन सहित काफी संख्या में महिलाएं रैली में शामिल रही।

रैली में शामिल महिलाएं।

मितानिनों ने निकाली महिला हिंसा रोको अभियान की रैली

पामगढ़। मितानिन कार्यक्रम के तहत पामगढ़ के भंवतरा एव बिलारी सेक्टर मे मितानिनो ने महिला हिंसा रोको अभियान के नारा लगाते हुए रैली निकाली। जो महिलाओं को मारेगा, जेल की हवा खायेगा। मितानिनों मे हो रही घरेलू हिंसा पर महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है ताकि महिलाओ पर हो रही हिंसा को समाज से खत्म किया जा सके।और महिलाओ को घर मे मान सम्मान मिले एवम परिवार में खुशहाली की माहौल निर्मित हो सके तथा बच्चों पर हिंसा के पड़ने वाली असर को कम किया जा सके।कार्यक्रम मे सुनीता जारकडे. सुदेश जारकडे,फिरतीन बाई साहू,आशा गोस्वामी, निशा ,जानकी,शारदा ,बीटावन ,शांति खन्ना प्रशिक्षक उतरी महंत आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

महिला हिंसा रोको अभियान

ग्राम पंचायत अंवरी में चलाया गया महिला हिंसा रोको अभियान

अंवरी। ग्राम पंचायत अंवरी में मितानिन कार्यक्रम के तहत महिला हिंसा रोको अभियान चलाया गया। महिला हिंसा अब ना सहेंगे अत्याचार,हम अपना अधिकार मांगते है, परिवार की शक्ति नारी है, घर की शक्ति नारी है, घर में माँ चाहिए, बहन चाहिए, चाची चाहिए फिर बेटी क्यूँ नही चाहिए? का नारा लगाते हुए रैली निकाला गया इस दौरान महिला हिंसा कानूनी धाराओं के बारे में विस्तार से बताया गया, साथ ही कोरोना से बचने के लिए दो गज की दुरी, बार-बार साबुन से हाथ धोने, मास्क लगाने तथा टीकाकरण हेतु प्रेरित किया इस दौरान एम टी अन्नपूर्णा साहू, मितानिन तोस बाई साहू, लछवंतिन सतनामी अध्यक्ष, खिलेश्वरी ध्रुव उपाध्यक्ष, पावर्ती ध्रुव आँगनबाड़ी कार्यकर्ता, राजबाई, कमला बाई, दानेश्वरी साहू, जानकी बाई,मोतिम बाई यादव, एवं बड़ी संख्या में महिलाऐं उपस्थित रहें।